अपठित गद्यांश

गाँव के किनारे एक बहुत पुराना वटवृक्ष था। उसकी जटाएँ ज़मीन को छूती हुई मिट्टी में मिल गई थीं, मानो धरती से उसका गहरा रिश्ता हो। गर्मी के दिनों में वह राहगीरों के लिए ठंडी छाँव देता, तो बरसात में उसके नीचे भीगने से बचा जा सकता था। बुज़ुर्ग कहते थे कि यह वृक्ष पीढ़ियों से यहाँ खड़ा है और इसने न जाने कितने मौसम देखे हैं।

वटवृक्ष के नीचे अक्सर गाँव के बच्चे खेलते थे और बूढ़े उसकी छाँव में बैठकर किस्से सुनाते थे। पक्षी उसकी शाखाओं पर घोंसले बनाते और सुबह-सुबह उनकी चहचहाहट से वातावरण गूँज उठता। वटवृक्ष न केवल प्रकृति का उपहार था, बल्कि गाँव की आत्मा भी बन गया था।

१. सही विकल्प चुनिए:

(क) वटवृक्ष कहाँ स्थित था?

i. नदी के किनारे ☐ ii. खेतों में ☐
iii. गाँव के किनारे ☐ iv. बाजार में ☐

(ख) वटवृक्ष की जटाएँ क्या दर्शाती थीं?

i. उसकी कमजोरी ☐ ii. उसका धरती से रिश्ता ☐
iii. उसकी ऊँचाई ☐ iv. उसका गुस्सा ☐

(ग) गाँव के बच्चे वटवृक्ष के नीचे क्या करते थे?

i. पढ़ाई करते थे ☐ ii. खेलते थे ☐
iii. खाना खाते थे ☐ iv. झूला झूलते थे ☐

(घ) वटवृक्ष पक्षियों के लिए कैसा था?

i. बैठने की जगह ☐ ii. डरावनी जगह ☐
iii. घोंसले बनाने की जगह ☐ iv. शिकार का स्थान ☐

(ङ) इस गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

i. गाँव का तालाब ☐ ii. पुराने वृक्ष की कहानी ☐
iii. वटवृक्ष की छाँव ☐ iv. बच्चों का मैदान ☐

Answer

१. सही विकल्प:

(क) (iii) गाँव के किनारे

(ख) (ii) उसका धरती से रिश्ता

(ग) (ii) खेलते थे

(घ) (iii) घोंसले बनाने की जगह

(ङ) (iii) वटवृक्ष की छाँव